कक्षा VII पाठ 7 जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

विषय:

- परिचय
- बड़े शहरों से परे - जनजातीय समाज
- जनजातीय लोग कौन थे?
- खानाबदोश और घुमंतू लोग कैसे रहते थे

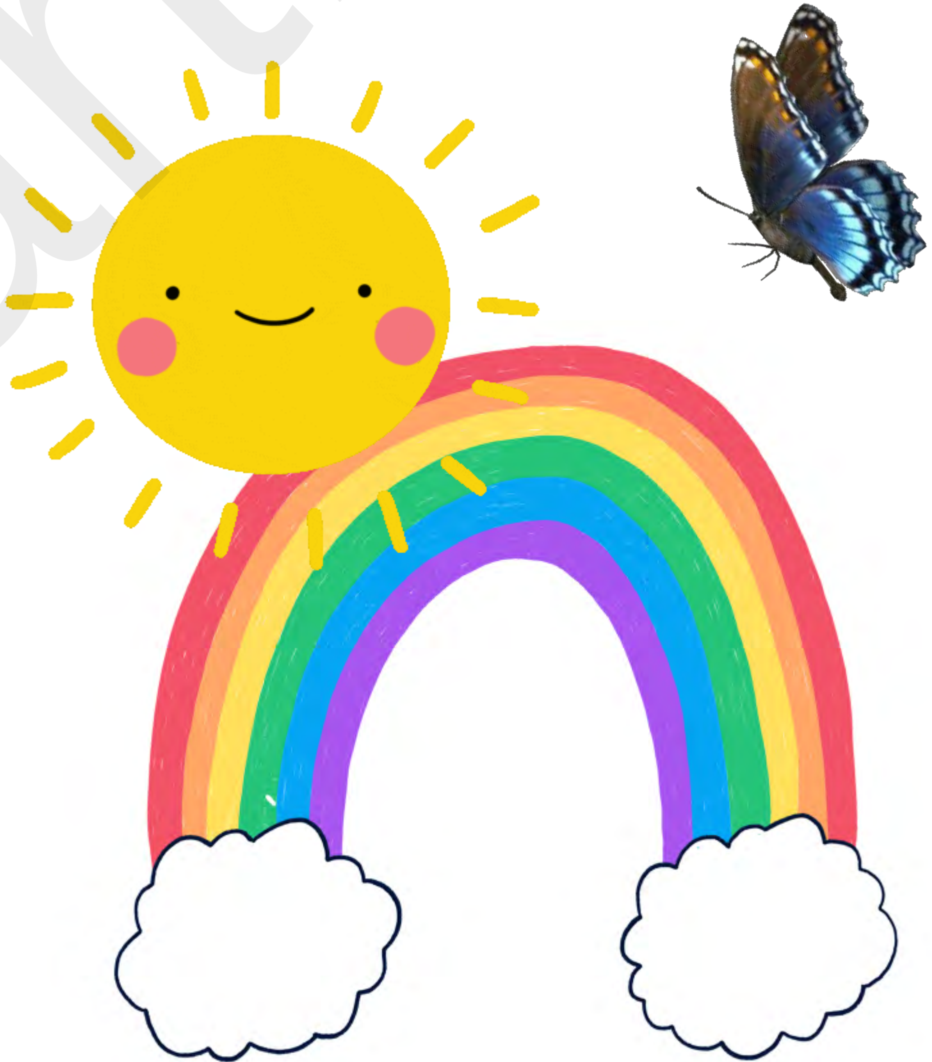

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- बदलता समाज - नयी जातियाँ और श्रेणियाँ

- नज़दीक से एक तरफ - गोंड

- नज़दीक से एक तरफ - अहोम

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

परिचय

- कई अध्यायों में जैसे 2,3,4 राज्य उठे और गिरे लेकिन फिर भी कला, शिल्प और उत्पादन गतिविधियाँ कस्बों और गाँवों में फली-फूली।
- अनेक नए समाजों का उदय हुआ और सामाजिक परिवर्तन हर जगह भिन्न था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय (NCERT)

www.evidyarthi.in

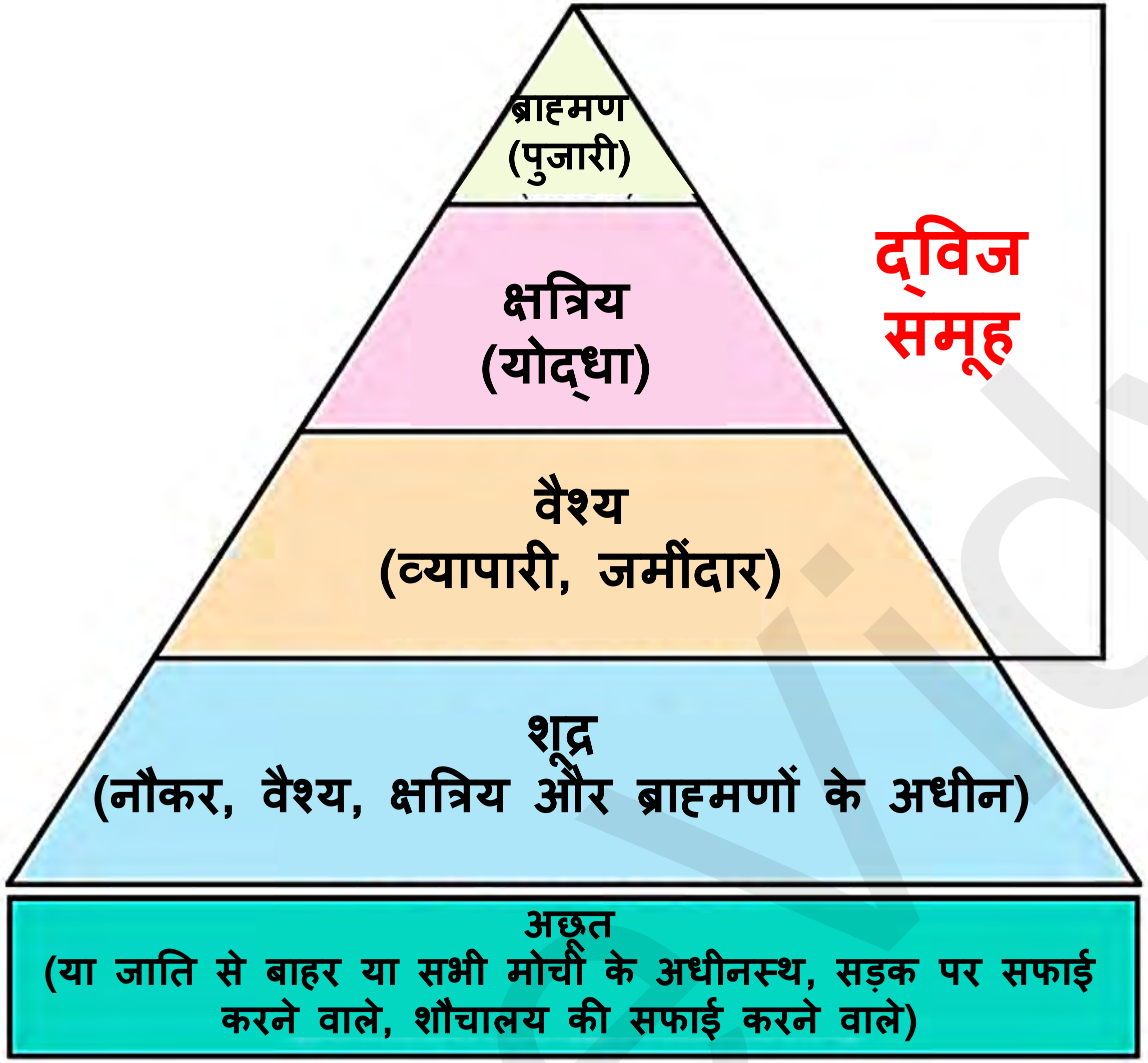

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- उपमहाद्वीप के बड़े हिस्से में, समाज पहले से ही वर्ण के नियमों के अनुसार विभाजित था।
- वे ब्राह्मणों द्वारा निर्धारित किए गए थे (वे बड़े राज्यों के बड़े शासकों द्वारा स्वीकार किए गए थे)
- ऊंच-नीच, अमीर-गरीब बढ़े और दिल्ली सुल्तान और मुगलों के अधीन यह और आगे बढ़ता गया।

ब्राह्मणों का प्रमुख समूह था

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

अमीर और गरीब के बीच का अंतर बढ़ा

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

जनजातीय समूहों की सूची

1. गोंड - (एसटी) एमपी, तेलंगाना, ए.पी., बिहार
2. संथाल - बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, झारखंड।
3. मुंडा का - झारखंड, असम, पश्चिम बेंग।
4. खोखर– पंजाब, पाकिस्तान
5. गक्खर - पंजाब, पाकिस्तान
6. लंगा - राजस्थान, गुजरात, पाक, पंजाब
7. अफगान - ईरान और पाकिस्तान
8. बलूच जनजाति - ईरान, अफगानिस्तान
9. गद्दी की जनजाति – हिमाचल, जम्मू और कश्मीर

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

1. अहोम - असम
2. नागा- असम, एपी, मणिपुर, नागालैंड
3. कोली - मुंबई, गुजरात
4. बेराड - कर्नाटक, मुंबई
5. नरवर – तमिलनाडु
6. वेटर्स - जंगल, पहाड़ियाँ
7. भील - एमपी, गुजरात, राजस्थान

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

बड़े शहरों से परे - जनजातीय समाज

- विभिन्न प्रकार के समाज थे (उपमहाद्वीप में कई लोग ब्राह्मणों द्वारा निर्धारित नियमों और कर्मकांडों का पालन नहीं करते थे)।

- कई वर्गों में विभाजित भी नहीं थे ऐसे समाजों को अक्सर जनजाति कहा जाता है।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- प्रत्येक जनजाति के सदस्य रिश्तेदारी के बंधनों से एकजुट थे, कृषि, शिकारी या चरवाहों से अपनी आजीविका (रिश्ते) प्राप्त करते थे।
- कई जंगल, पहाड़ियों, रेगिस्तानों और मुश्किल जगहों पर रहते हैं। वे अधिक शक्तिशाली जाति आधारित समाजों से भी भिड़ गए।
- वे अपनी स्वतंत्रता और संस्कृति को अलग और संरक्षित करना पसंद करते हैं।

www.evidyarthi.in

जंगल

पहाड़ियाँ

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

रेगिस्तान

अमेज़न वर्षावन

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- लेकिन जाति आधारित समाज और आदिवासी समाज दोनों अपनी विविध जरूरतों के लिए एक दूसरे पर निर्भर हैं, इसलिए वे धीरे-धीरे खुद को बदलते हैं।

वस्तु विनिमय प्रणाली

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

जनजातीय लोग कौन थे?

इतिहासकार और यात्री जनजातियों के बारे में बहुत कम जानकारी देते हैं। आदिवासियों के साथ-साथ लोग लिखित अभिलेख नहीं रखते थे लेकिन उन्होंने समृद्ध रीति-रिवाजों और मौखिक परंपराओं को संरक्षित किया।

अनुपस्थित लिखित खाते

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- इन मौखिक परंपराओं को एक नई पीढ़ी को सौंप दिया गया और उनकी मदद से इतिहासकारों ने आदिवासी इतिहास रिकॉर्ड बनाना शुरू कर दिया। आदिवासी लगभग हर क्षेत्र में पाए जाते थे, कुछ शक्तिशाली जनजाति बड़े प्रदेशों में रहते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- 13वीं और 14वीं शताब्दी के दौरान पंजाब में खोखर जनजाति बहुत प्रभावशाली थी। बाद में गक्खर (उनके प्रमुख कमाल खान गखर को बादशाह अकबर ने कुलीन बना दिया था)

- मुल्तान और सिंध में, लंगाहों और अफगानों का व्यापक क्षेत्र पर प्रभुत्व था।

खोखर

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय (NCERT)

www.evidyarthi.in

पंजाब में (गक्खर)

सिंध और मुल्तान में लंगा और अफगान

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- उत्तर पश्चिम में बलूच जनजाति (शक्तिशाली) प्रमुखों के अधीन छोटे कुलों में विभाजित है।
- पश्चिमी हिमालय - गद्दी का चरवाहा कबीला रहता था।
- उत्तर पूर्वी भाग - नागा, अहोम और अन्य।
- बाद में औरंगजेब ने कई चेरो किले पर कब्जा कर लिया और जनजाति को अपने अधीन कर लिया।
- मुंडा, संथाल अन्य जनजातियों के बीच जो उड़ीसा और बंगाल में रहते थे

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय (NCERT)

www.evidyarthi.in

बलूच जनजाति

गद्दी जनजाति

अहोम

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

औरंगजेब ने चेरो किले (पलामू किला) पर कब्जा कर लिया

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

मुंडा

संथाल

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- महाराष्ट्र और कर्नाटक, गुजरात कोली, बेरड़ आदि के घर हैं।
- दक्षिण में कोरागास, वेटार, मारवाड़ की बड़ी आबादी थी।
- पश्चिमी और मध्य भारत में भील, बड़ी संख्या में गोंड - छत्तीसगढ़, एमपी, महाराष्ट्र और ए.पी.

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय (NCERT)

www.evidyarthi.in

गुजरात के भील

मध्य प्रदेश के गोंड

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

खानाबदोश और घुमंतू लोग कैसे रहते थे

- घुमंतू चरवाहे अपने पशुओं के साथ लंबी दूरी तय करते थे, दूध पर रहते थे, ऊन, घी आदि का आदान-प्रदान करते थे। अनाज, कपड़ा, बर्तन आदि के लिए बसे किसानों के साथ।
- उन्होंने उन सामानों को खरीदा और बेचा, एक स्थान से दूसरे स्थान पर चले गए और अपने पशुओं को भी ले गए।

एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

बसे हुए कृषक के साथ आदान-प्रदान करें

www.evidyarthi.in

- बर्तन
- अनाज
- कपड़े

www.evidyarthi.in

बंजारे

सत्रहवीं सदी के आरंभ में भारत आने वाले एक अँग्रेज़ व्यापारी, पीटर मंडी, ने बंजारों का वर्णन किया:

सुबह हमारी मुलाकात बंजारों की एक टांडा से हुई जिसमें 14,000 बैल थे। सारे पशु गेहूँ और चावल जैसे अनाजों से लदे हुए थे।... ये बंजारे लोग अपनी पूरी घर-गृहस्थी–बीवी और बच्चे–अपने साथ लेकर चलते हैं। एक टांडा में कई परिवार होते हैं। उनका जीने का तरीका उन भारवाहकों से मिलता-जुलता है जो लगातार एक जगह से दूसरी जगह जाते रहते हैं। गाय-बैल उनके अपने होते हैं। कई बार वे सौदागरों के द्वारा भाड़े पर नियुक्त किए जाते हैं, लेकिन ज़्यादातर वे खुद सौदागर होते हैं। अनाज जहाँ सस्ता उपलब्ध है, वहाँ से वे खरीदते हैं और उस जगह ले जाते हैं जहाँ वह महँगा है। वहाँ से वे फिर ऐसी चीज़ें लाद लेते हैं जो किसी और जगह मुनाफ़े के साथ बेची जा सकती हैं।... टांडा में छह से सात सौ तक लोग हो सकते हैं।... वे एक दिन में 6 या 7 मील से ज़्यादा सफ़र नहीं करते–यहाँ तक कि ठंडे मौसम में भी। अपने गाय-बैलों पर से सामान उतारने के बाद वे उन्हें चरने के लिए खुला छोड़ देते हैं, क्योंकि यहाँ ज़मीन पर्याप्त है और उन्हें रोकने वाला कोई नहीं।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

17वीं शताब्दी के दौरान भारत में अंग्रेजी व्यापारी पीटर मुंडी ने उन्हें बताया कि वे एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते हैं, अपने बैलों के साथ टांडा में अनाज ढोते हैं। ठंड के मौसम में काम नहीं करते (केवल 5 से 6 मील) सस्ते दाम में खरीदें, सस्ते में बेचें।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- बंजारे सबसे महत्वपूर्ण व्यापारी खानाबदोश थे, उनके कारवां को टांडा कहा जाता था।
- अलाउद्दीन खिलजी ने बंजारों का इस्तेमाल शहर के बाजारों में अनाज पहुंचाने के लिए किया।
- जहाँगीर ने अपने संस्मरणों (ऐतिहासिक विवरण) में लिखा है कि वे बैलों में अनाज लेकर कस्बों में बेचते थे।
- वे सैन्य अभियान के दौरान मुगल सेना के लिए खाद्यान्न परिवहन करते हैं (1 लाख बैल अनाज ले जाते हैं)

उनके कारवां को टांडा कहा जाता था

बंजारा

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

मुगल सेना के लिए खाद्यान्न परिवहन

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

कई जनजातियों ने जानवरों यानी मवेशी, घोड़ों को पाला और बेचा

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय (NCERT)

www.evidyarthi.in

(छोटे-मोटे पेडलर्स रोड गांव-गांव मोटे बोरे, पुआल मैटलिंग, रस्सियां आदि बेचने के लिए) विभिन्न शहरों में भी प्रदर्शन करते हैं।

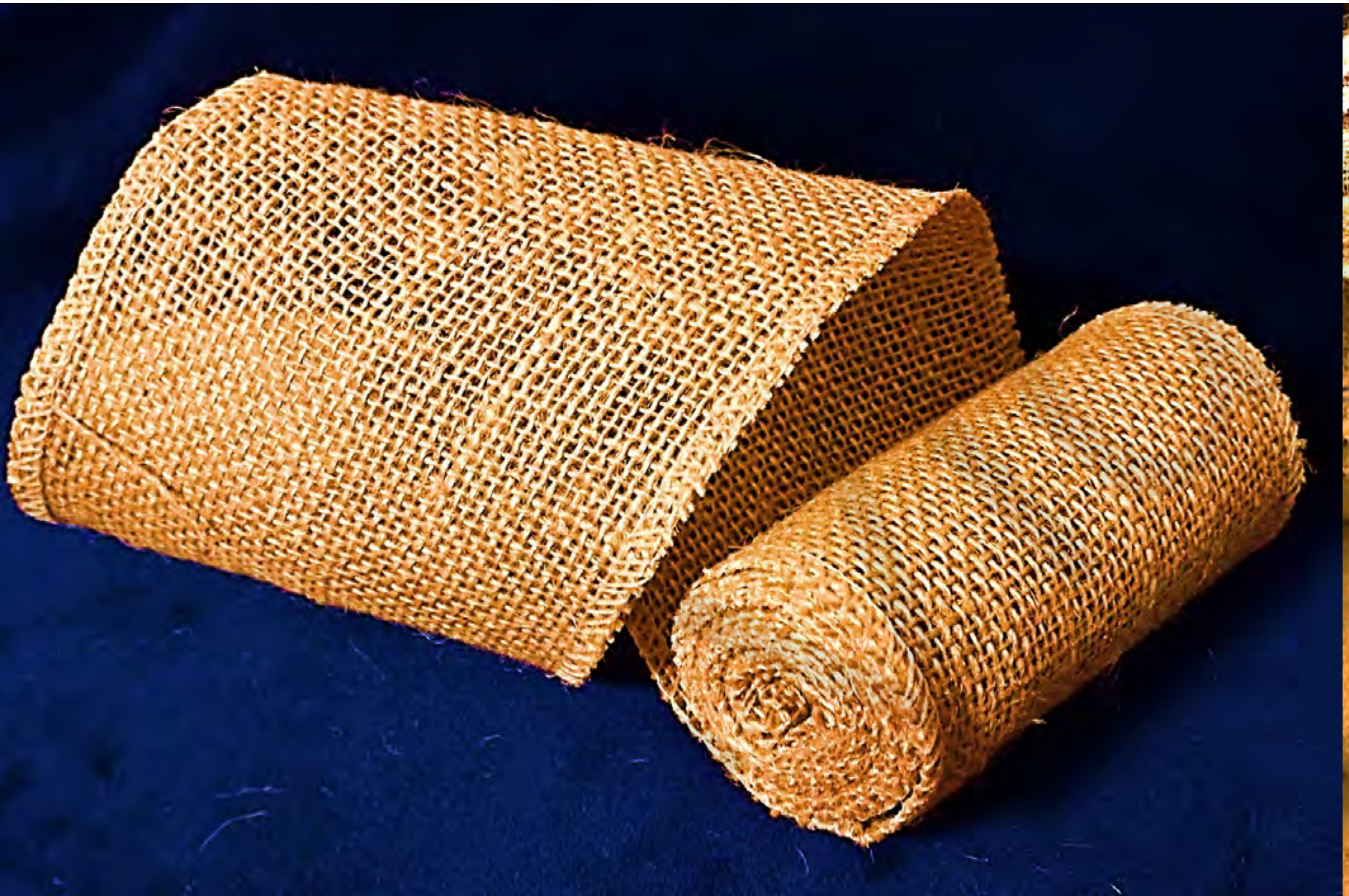

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

बदलता समाज –
नयी जातियाँ और श्रेणियाँ

- जैसे-जैसे समाज की जरूरतें बढ़ीं, नए कौशल वाले लोगों को छोटी जाति की आवश्यकता थी या वर्ण में जातियों का उदय हुआ (ब्राह्मणों में नई जाति का उदय हुआ)
- अलग-अलग जातियों का दर्जा - बढ़ई, कारीगर, लोहार, राजमिस्त्री को दिया गया।
- 11वीं और 12वीं शताब्दी में नए क्षत्रिय और राजपूत वंश शक्तिशाली हुए

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- वे विभिन्न वंश से संबंधित थे - हूण, चंदेल, चालुक्य आदि।
- कई कुलों को माना जाने लगा क्योंकि राजपूत ने अपने धन का उपयोग शक्तिशाली राज्यों को बनाने के लिए किया, अन्य शासकों (विशेष रूप से कृषि क्षेत्रों) की जगह लीं।

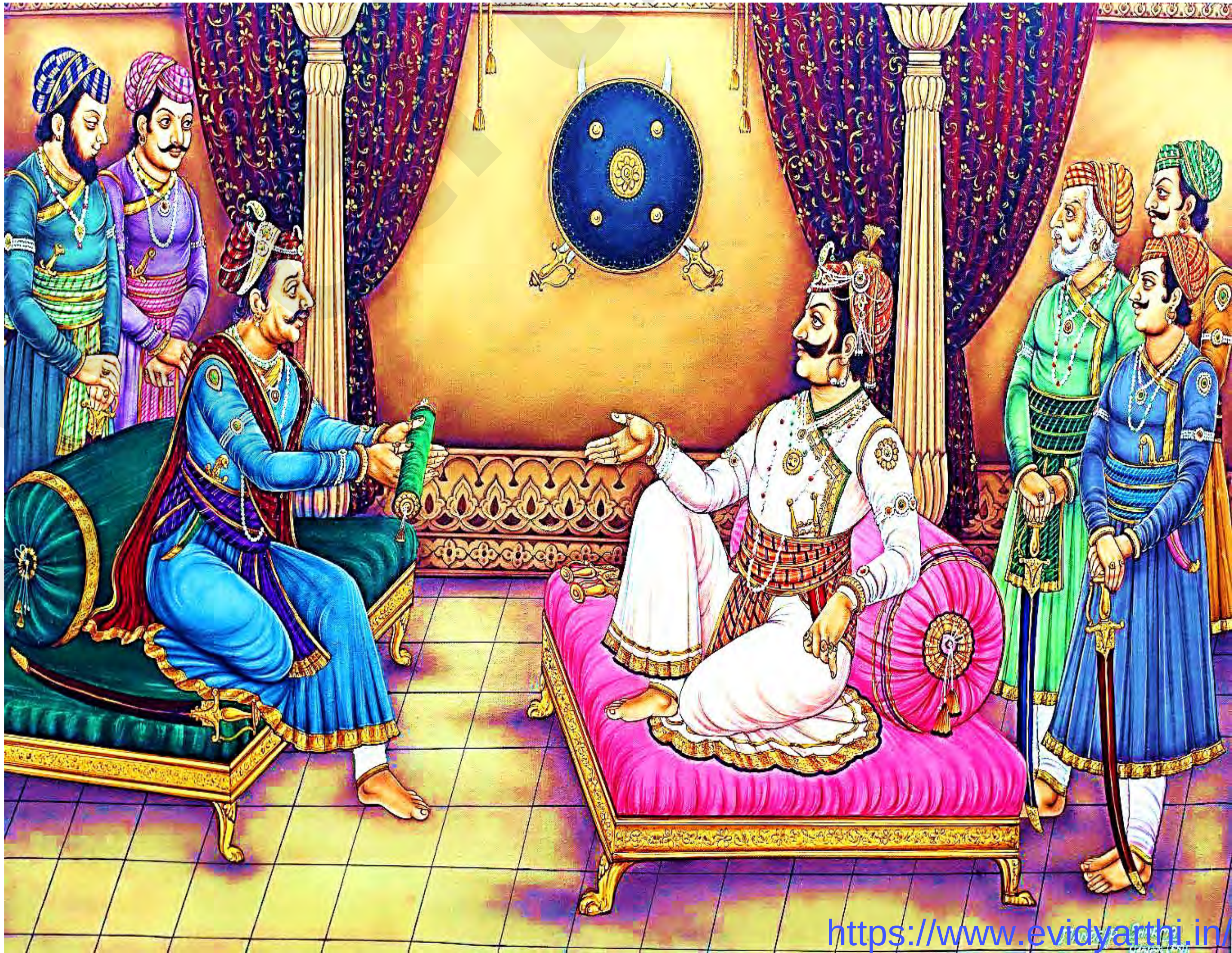

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

विभिन्न वंश से संबंधित (चालुक्य, हूण, चांडाल)

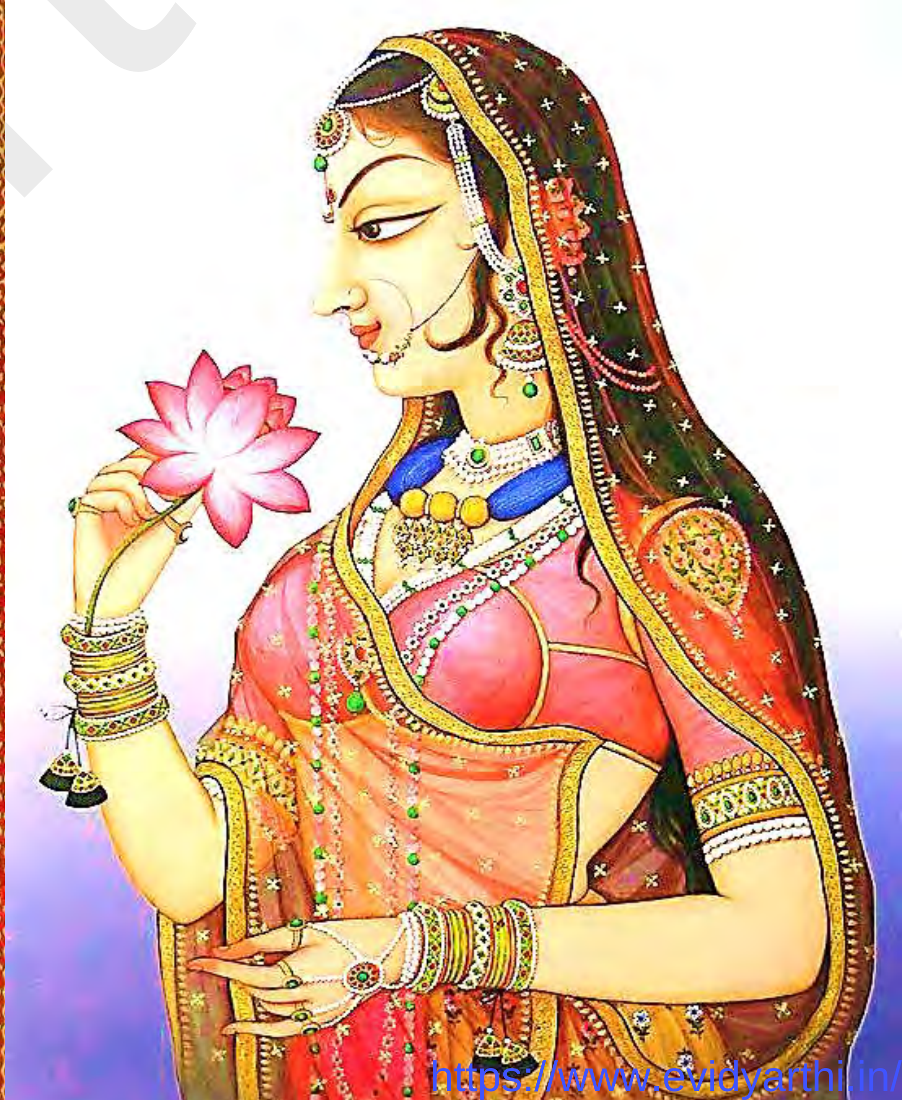

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- ब्राह्मणों के समर्थन से कई जनजातियाँ जाति व्यवस्था का हिस्सा बन गईं (केवल प्रमुख जनजाति ही शासक वर्ग में शामिल हो सकती थीं)
- एक बड़ा बहुमत जाति समाज की निचली जातियों में शामिल हो गया, कई जनजातियों यानी पंजाब और उत्तर पश्चिम ने इस्लाम को बहुत पहले अपनाया।
- उन्होंने हिंदू रूढ़िवादी द्वारा निर्धारित आदेश को स्वीकार नहीं किया (इन क्षेत्रों में यह स्वीकार्य नहीं था)

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

पंजाब और उत्तर पश्चिम ने अपनाया इस्लाम

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय (NCERT)

www.evidyarthi.in

उत्तर पश्चिम

हिंदू रूढ़िवादी

https://www.evidyarthi.in/

नज़दीक से एक तरफ - गोंड

www.evidyarthi.in

- विशाल जंगल गोंडवाना में रहते हैं "गोंडों का देश''।
- वे कई छोटे कुलों में बंटी हुई खेती का अभ्यास करते हैं। प्रत्येक कबीले का अपना राजा या राय होता था।
- दिल्ली के सुल्तानों के पतन के बाद कई गांवों पर कई गोंड साम्राज्य हावी हो रहे थे

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- उदाहरण - अकबरनामा ने गोंड राज्य के गृह कटंगा का उल्लेख 70,0000 गांवों का अधिग्रहण किया।

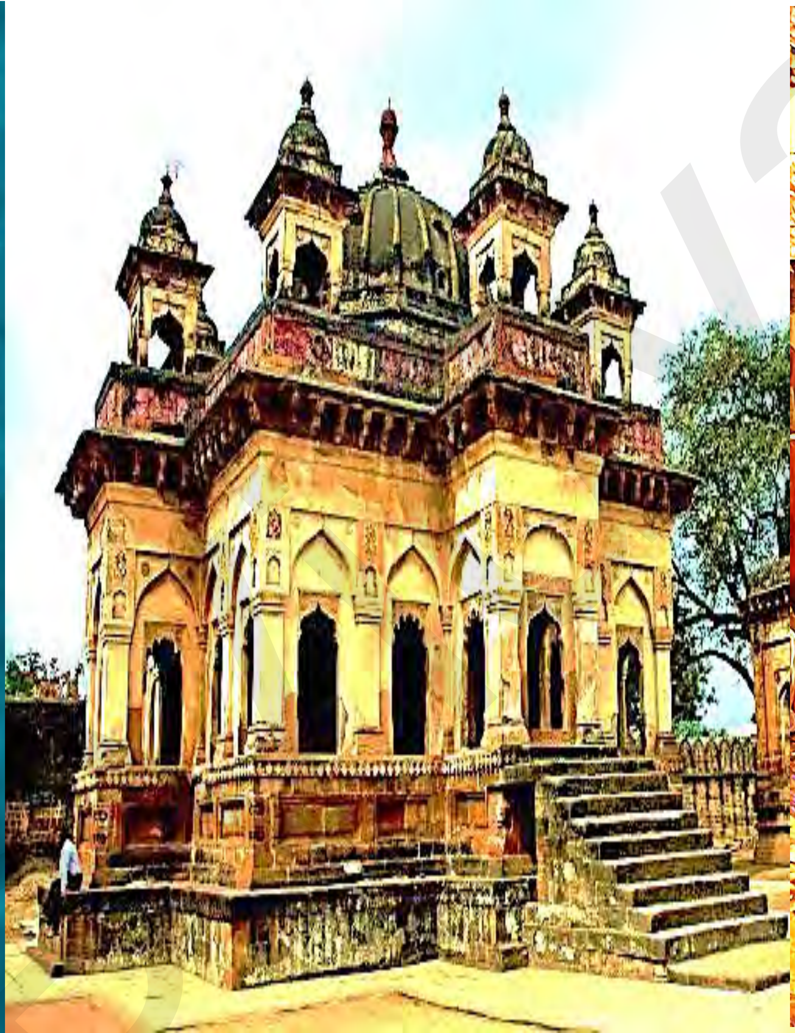

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- राज्य को गोंड कबीले द्वारा नियंत्रित गढ़ में विभाजित किया गया था, आगे चौरासी नामक गांवों में विभाजित किया गया था, फिर से बरहोट (प्रत्येक में 12 गांव) में विभाजित किया गया था।
- ब्राह्मणों को भूमि अनुदान मिलना शुरू हो गया और वे प्रभावशाली हो गए, गोंड प्रमुख अब राज पुट के रूप में संबोधित करना चाहते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- उदाहरण के लिए - गढ़ कटंगा के गोंड राजा अमन दास को संग्राम शाह की उपाधि मिली, उनके बेटे दलपत ने दुर्गावती (सलबावन की बेटी - महोबा के चंदेल राजपूत राजा) से शादी की।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- गढ़ा कटंगा हाथियों का निर्यात करके धन से समृद्ध था, मुगलों ने वहां से कीमती सिक्के और हाथियों को पकड़ लिया।
- राज्य पर कब्जा करने के बाद मुगलों ने चंद्र शाह बीर नारायण चाचा को शेष राशि दी, वे कमजोर हो गए और बाद में मराठों और बुंदेलों जैसी मजबूत ताकतों के आने के बाद गिर गए।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

नज़दीक से एक तरफ - अहोम

- अहोम 13वीं शताब्दी में ब्रह्मपुत्र घाटी (वर्तमान म्यांमार) में चले गए। उन्होंने भुइयां (जमींदारों) की पुरानी राजनीतिक व्यवस्था को दबा कर एक नया राज्य बनाया।
- 16वीं शताब्दी के दौरान। उन्होंने छुटिया (1523) और कोच होजा (1582) और कई अन्य जनजातियों के राज्यों पर कब्जा कर लिया।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- इसे दक्षिण पश्चिम से कई आक्रमणों का भी सामना करना पड़ा। 1662 में मीर जुमला के तहत मुगलों ने अहोम के राज्यों पर हमला किया, अहोम की हार हुई लेकिन इस क्षेत्र पर मुगल नियंत्रण लंबे समय तक नहीं चल सका।
- अहोम राज्य जबरन मजदूरी पर निर्भर था, जिन्हें राज्य के लिए काम करने के लिए मजबूर किया जाता था उन्हें पाइक कहा जाता था।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- प्रत्येक गाँव को बारी-बारी से कई पाइक भेजने पड़ते थे। घनी आबादी वाले लोगों को कम आबादी वाले स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- लगभग सभी पुरुषों ने युद्धों, बांधों के निर्माण, सिंचाई प्रणाली, सार्वजनिक कार्यों के दौरान सेना में सेवा की। (चावल की खेती की नई विधि भी पेश की)
- अहोम समाज को कुलों या खेल में विभाजित किया गया था, जिसमें बहुत कम जाति के कारीगर (अन्य राज्यों से आए थे) राजा समुदाय की सहमति के बिना ग्रामीणों की भूमि नहीं ले सकते थे।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- वे वहां अपने आदिवासी देवताओं की पूजा करते हैं लेकिन 17 वीं शताब्दी में, ब्राह्मणों का प्रभाव बढ़ गया। सिब सिंह (1714-1744) के शासनकाल में हिंदू धर्म प्रमुख धर्म बन गया। लेकिन अहोम ने अपनी परंपराओं को नहीं छोड़ा।
- ❑ वहां का समाज बहुत परिष्कृत था।
- विद्वानों को भूमि अनुदान दिया जाता था।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- रंगमंच को प्रोत्साहन मिला।
- संस्कृत (महत्वपूर्ण कार्य) का कई भाषाओं में अनुवाद किया गया था।
- ऐतिहासिक कृति जिसे बुरंजिस के नाम से जाना जाता है, पहले अहोम में लिखी गई और दूसरी असमिया में।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

निष्कर्ष

- उपमहाद्वीप में धीरे-धीरे सामाजिक परिवर्तन हुए।
- आदिवासी और वर्ण आधारित समाज दोनों एक दूसरे से परस्पर क्रिया करते थे।
- कुछ का जाति आधारित समाज में विलय हो गया और कुछ ने हिंदू धर्म के रूढ़िवाद को खारिज कर दिया।

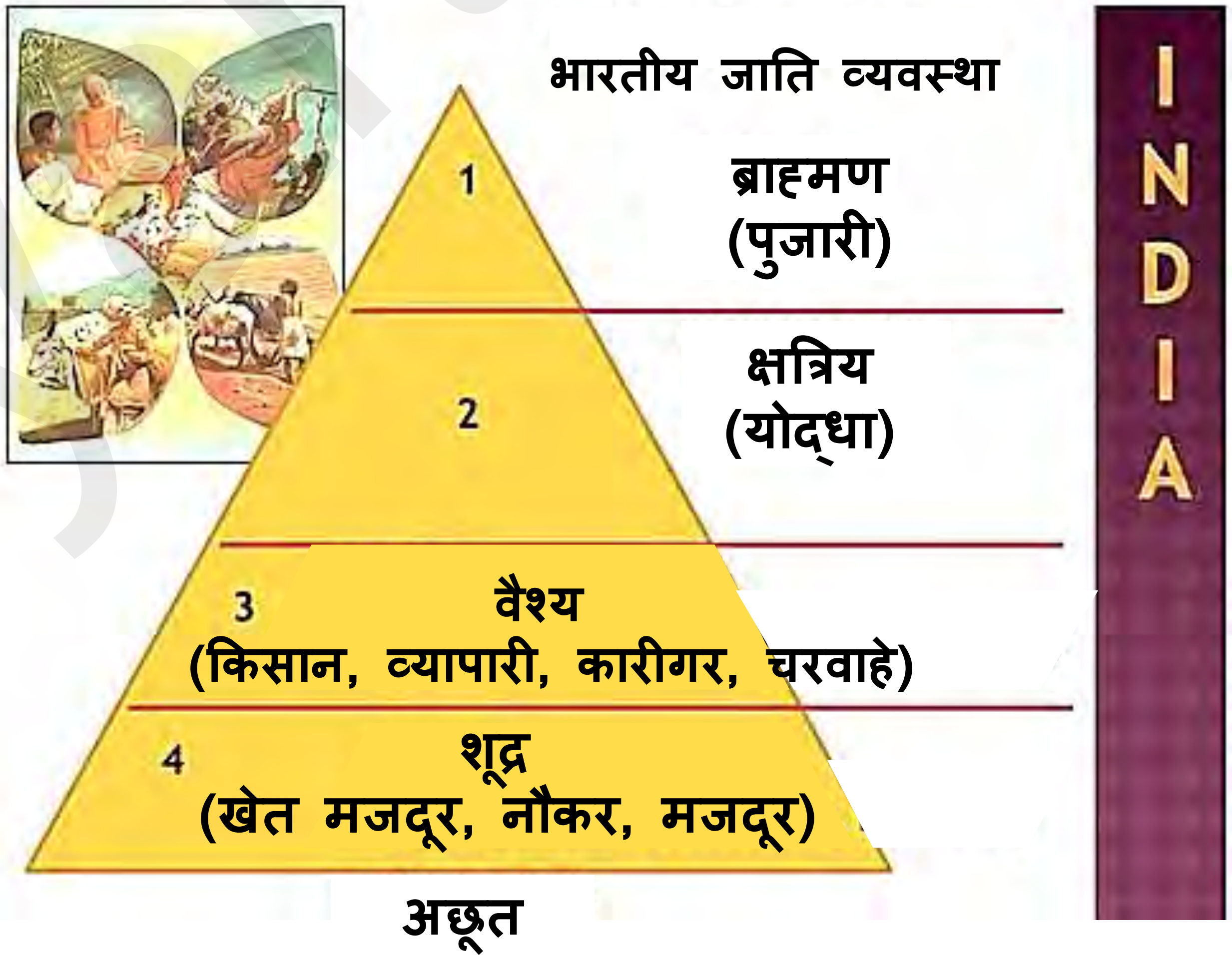

www.evidyarthi.in

- कुछ जनजातियों ने सुसंगठित प्रशासन स्थापित किया, राजनीतिक रूप से शक्तिशाली बन गए जिसने उन्हें बड़े राज्यों और साम्राज्यों के साथ संघर्ष में डाल दिया।

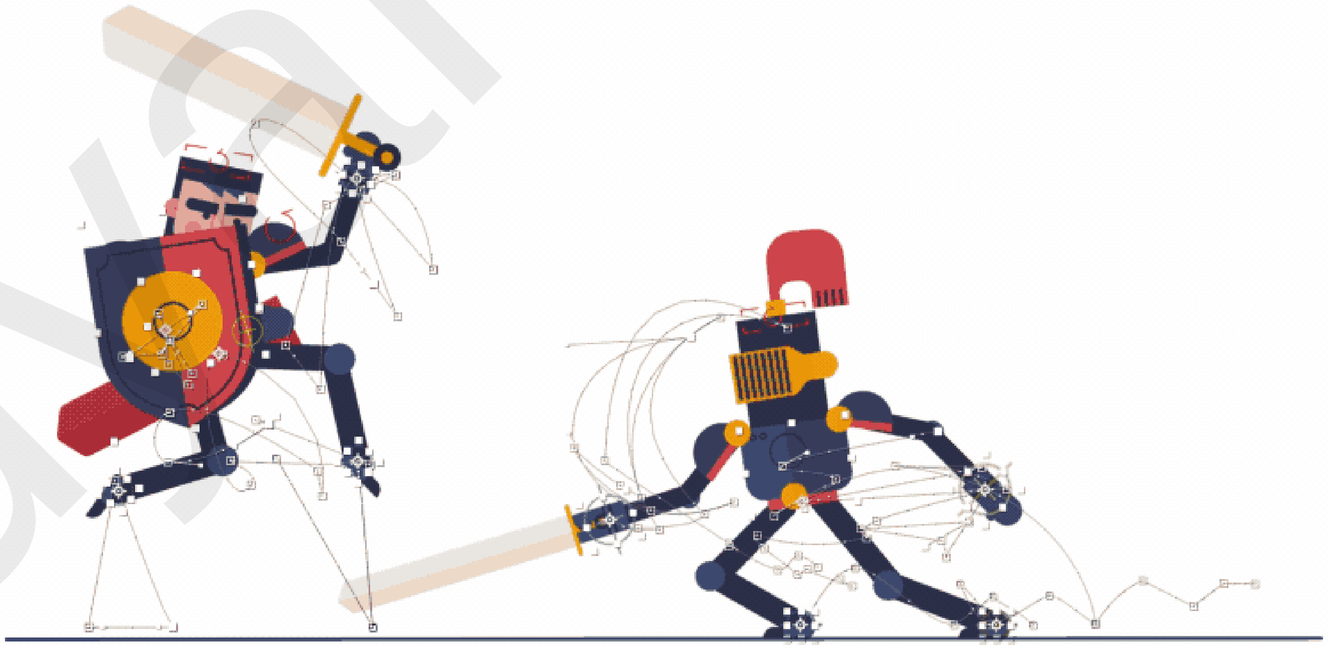

कक्षा VII पाठ 7 जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय (NCERT)

www.evidyarthi.in

मंगोल

अपने एटलस में मंगोलिया ढूँढिए। इतिहास में सबसे प्रसिद्ध पशुचारी और शिकारी-संग्राहक जनजाति मंगोलों की थी। वे मध्य एशिया के घास के मैदानों (स्टेपी) और थोड़ा उत्तर की ओर के वन प्रांतों में बसे हुए थे। 1206 में चंगेज़ ख़ान ने मंगोल और तुर्की जनजातियों में एकता पैदा करके उन्हें एक शक्तिशाली सैन्य बल में बदल डाला। अपनी मृत्यु के समय (1227) वह एक सुविस्तृत प्रदेश का शासक था। उसके उत्तराधिकारियों ने एक विशाल साम्राज्य खड़ा किया। अलग-अलग समय में इसके अंतर्गत रूस, पूर्वी यूरोप और चीन तथा मध्य-पूर्व का खासा बड़ा हिस्सा शामिल था। मंगोलों के पास सुसंगठित सैन्य एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएँ थीं। ये विभिन्न जातीय और धार्मिक समूहों के समर्थन पर आधारित थीं।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 7 जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय (NCERT)

www.evidyarthi.in

सबसे प्रसिद्ध देहाती जनजाति मंगोल थे, मध्य एशिया में बसे हुए घास के मैदान और उत्तर में वन क्षेत्र, रूस, पूर्वी यूरोप, चीन, संयुक्त तुर्की और मंगोल एक साथ, विभिन्न जातीय समूहों के साथ अच्छी तरह से संगठित सैन्य और प्रशासनिक प्रणाली है।

https://www.evidyarthi.in/